किस्म मुकदमा .... मु. नं0........................ वर्ष...............

दिनांक	आज्ञा पत्र
20/8/24	पत्रावली पेश हुई। वकील/ उभयपक्ष हाजिर। पीठासीन अधिकारी आज अन्य कार्य में व्यस्त है। पत्रावली पूर्वादेशानुसार दिनांक 1/10/24 को पेश हो।
1/10/24	पत्रावली पेश हुई। वकील/ उभयपक्ष हाजिर। पीठासीन अधिकारी आज अन्य कार्य में व्यस्त है। पत्रावली पूर्वादेशानुसार दिनांक 19/11/24 को पेश हो।
19/11/24	पत्रावली पेश। अधि. हाजिर। जवाब हेतु अप्रार्थी को पूर्व में कई बार अवसर दिये जा चुके हैं। जवाब पेश नहीं किया गया। अधि. प्रार्थी द्वारा बार-2 अवसर दिये जाने पर आपत्ति जताई गई। अत: जवाब अप्रार्थी बन्द किया जाता है। बहस अधि. उभयपक्ष सुनी गई। बहस पर मनन किया गया एवं पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। बहस मुताबिक आवेदन पत्र/ अधि. अप्रार्थी द्वारा आवेदन कथनों का खण्डन किया गया। विवादित भूमि ख.नं. 192/1056 रकबा 0.3500 हैक्टेयर वाके ग्राम राधाकिशनपुरा तहसील व जिला सीकर में प्रार्थी का हित निहित है। विवादित भूमि के मौके व रिकॉर्ड की यथास्थिति में परिवर्तन करने पर प्रार्थी के हित प्रभावित हो सकते हैं। अत: अप्रार्थी संख्या 1 को जरिये अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाना आवश्यक है कि तारीख फैसला मूल प्रार्थना पत्र विवादित भूमि के मौके व रिकॉर्ड की यथास्थिति में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं करे। उक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाता है तथा अप्रार्थी संख्या 1 को जरिये अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि वह विवादित भूमि ख.नं. 192/1056 रकबा 0.3500 हैक्टेयर वाके ग्राम राधाकिशनपुरा तह. व जिला सीकर की भूमि पर तारीख फैसला मूल प्रार्थना पत्र मौके व रिकॉर्ड की यथास्थिति बनाये रखे। पत्रावली फैसलशुदा होकर नम्बर से कम हो। दाखिल दफ्तर हो। निर्णय आज मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।